

22.2.16

पुत्रानवी देवा इति, कदील प्रार्थन व अजार्थी
गठों के बाद-बाद असाज लजकई गई,
कदील प्रार्थन व अजार्थी गठ हाजि असाज
गडी आये। अतः प्रार्थना फु अदक
हाजरी लं अदक प्रार्थी के कारिज
विधा जाता है, पुत्रानवी देवा अदक
होकर गठक है वद हो।